2. शब्दार्थ और टिप्पणी

पृष्ठ 34

सुरंगनुमा–सुरंग, गुफ़ा जैसा। **मनाही**–निषेध। **सिक्योरिटी**–सुरक्षा। **रोज़ाना**–हर रोज़, प्रतिदिन। **वार्तालाप**–बातचीत।

पृष्ठ 35

चुनिंदा–चुने हुए, विशेष लोग। **इस्तेमाल**–उपयोग। **आराम फ़रमाना**–आराम करना। **नज़र बचाकर**–काम ऐसे करना कि दूसरों को उसका पता न चले। **हथिया लिया**–जैसे-तैसे प्राप्त कर लिया। **प्रवेश**–दाखिल होना, अंदर जाना। **मौका हाथ से फिसलना**–अवसर न मिल पाना। **संदेहास्पद**–संदेह वाली, शक पैदा करने वाली। **स्थिति**–दशा। **दर्शाना**–प्रकट करना, दिखाना। **हरकत**–चेष्टा। **गतिविधियाँ**–क्रियाकलाप/विभिन्न प्रकार के कार्य। **खैरियत**–कुशलता। **माहौल**–वातावरण। **लाज़िमी**–अनिवार्य, आवश्यक। **किस्म**–प्रकार।

पृष्ठ 36

खास किस्म–विशेष प्रकार। **मुमकिन**–संभव। **प्रशिक्षण**–ट्रेनिंग। **रोशनी**–प्रकाश। **ऊष्णता**–गर्मी। **अक्षम**–असमर्थ, जिसमें क्षमता या शक्ति न हो, अशक्त। **स्थिति**–दशा। **विभिन्न**–कई प्रकार के। **इस्तेमाल करना**–प्रयोग में लाना। **सुचारु रूप से**–अच्छी प्रकार। **सतर्कता**–सावधानी। **बरतना**–प्रयोग करना/ध्यान रखना। **मंशा**–इच्छा। **ज़ाहिर की**–प्रकट की। **कंट्रोल रूम**–नियंत्रण कक्ष, वह कमरा जहाँ से सभी कार्यों को नियंत्रित किया जाता है। **शिफ़्ट**–पारी/बारी। **इशारा**–संकेत। **स्क्रीन**–परदा। **अडिग**–एक स्थान पर स्थित।

पृष्ठ 37

यान–एक प्रकार का वाहन। **सौर मंडल**–सूर्य और उसकी परिक्रमा करने वाले ग्रह। **अलावा**–अतिरिक्त। **अस्तित्व**–मौजूदगी, विद्यमानता। **ऊर्जा**–शक्ति। **नज़दीक**–पास, समीप। **यांत्रिक**–यंत्र से चलने वाला। **पल**–क्षण। **अवलोकन करना**–देखना। **प्रबंध समिति**–प्रबंध करने वाली सभा, कार्यकारिणी।

पृष्ठ 38

समेटना–इकट्ठे करना। **खाक करना**–मिट्टी में मिलाना। **खुद-ब-खुद**–स्वयं, अपने आप। **क्षमता**–शक्ति, योग्यता। **राय**–विचार। **सक्षम**–शक्ति वाले, क्षमता वाले, सशक्त, ताकतवर। **यंत्र**–मशीन।

3. अर्थग्रहण संबंधी एवं बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1 रोज़ाना यही वार्तालाप हुआ करता था छोटू की माँ और छोटू के बीच। उस तरफ़ एक सुरंगनुमा रास्ता था और छोटू के पापा इसी सुरंग से होते हुए काम पर जाया करते थे। आम आदमी के लिए इस रास्ते से जाने की मनाही थी। चंद चुनिंदा लोग ही इस सुरंगनुमा रास्ते का इस्तेमाल कर सकते थे और छोटू के पापा इन्हीं चुनिंदा लोगों में से एक थे। *(पृष्ठ 34-35)*

प्रश्न–

(क) रोजाना किनके बीच क्या वार्तालाप होता था?
(ख) सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?
(ग) छोटू के पापा किस प्रकार के लोगों में से थे?

उत्तर–(क) रोजाना छोटू और उसकी माँ के बीच वार्तालाप होता था। यह वार्तालाप सुरंगनुमा रास्ते से जाने के बारे में होता था।

(ख) सुरंगनुमा रास्ता सभी के लिए खुला नहीं था। इसका प्रयोग कुछ लोग ही कर सकते थे। यह रास्ता केवल उन लोगों के लिए खुला था जो इस रास्ते से होते हुए काम पर जाया करते थे।

(ग) छोटू के पापा उन थोड़े-से लोगों में से थे जो सुरंगनुमा रास्ते से जा सकते थे। यह रास्ता सभी लोगों के लिए नहीं था।

2 यह जो सुरंगनुमा रास्ता था–अंदर दीये जल रहे थे और प्रवेश करने से पहले एक बंद दरवाज़े का सामना करना पड़ता था। दरवाज़े में एक खाँचा बना हुआ था। छोटू ने खाँचे में कार्ड डाला, तुरंत दरवाज़ा खुल गया। छोटू ने सुरंग में प्रवेश किया। अंदर वाले खाँचे में सिक्योरिटी-पास आ पहुँचा था। उसे उठा लिया, कार्ड उठाते ही दरवाज़ा बंद हुआ। छोटू ने चारों तरफ़ नज़र दौड़ाई। सुरंगनुमा वह रास्ता ऊपर की तरफ़ जाता था .... यानी ज़मीन के ऊपर का सफ़र कर आने का मौका मिल गया था। *(पृष्ठ 35)*

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *सुरंगनुमा रास्ते से जाना किसी आम आदमी के लिए क्यों नामुमकिन था?*
   (क) रास्ता बहुत तंग था
   (ख) रास्ता खतरनाक था

(ग) सुरंगनुमा रास्ते का एक बड़ा प्रवेश द्वार था
(घ) सुरंगनुमा रास्ते से आम लोगों का जाने की मनाही थी। चंद चुनिंदा लोग सिक्योरिटी पास से ही जा सकते थे

2. *छोटू सुरंग में कैसे पहुँच गया था?*
(क) अपने पिता के साथ
(ख) गार्ड की आँखों में धूल झोंककर
(ग) दरवाज़े में बने खाँचे में कार्ड डालकर
(घ) अपनी माँ के साथ घूमने के बहाने

3. *दरवाज़ा बंद कैसे हो गया?*
(क) जैसे ही छोटू ने कार्ड उठाया तो दरवाज़ा बंद हो गया।
(ख) छोटू ने सुरंग में जाकर स्वयं दरवाज़ा बंद कर दिया।
(ग) छोटू ने गार्ड को दरवाज़ा बंद करने के लिए कहा।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

4. *छोटू ने वहाँ क्या देखा?*
(क) ज़मीन के अंदर जाने का मार्ग
(ख) सुरंगनुमा टेढ़ामेढ़ा रास्ता
(ग) एक सुरंग से दूसरी सुरंग में जाने का मार्ग
(घ) ज़मीन के ऊपर जाने का मार्ग

5. *'सिक्योरिटी पास' की क्या विशेषता थी?*
(क) विशेष लोग जो सुरंगनुमा रास्ते से काम पर जाते थे वे 'सिक्योरिटी पास' का इस्तेमाल करते थे।
(ख) 'सिक्योरिटी पास' लेकर लोग सुरंग में जा सकते थे।
(ग) 'सिक्योरिटी पास' विशेष लोगों के घूमने के लिए था।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– 1. (घ) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ) 5. (क)

3 "मैं वहाँ एक खास किस्म का स्पेस-सूट पहनकर जाता हूँ। इस स्पेस-सूट से मुझे ऑक्सीजन मिलता है, जिससे मैं साँस ले सकता हूँ। इसी स्पेस-सूट की वजह से बाहर की ठंड से मैं अपने आपको बचा सकता हूँ। खास किस्म के जूतों की वजह से ज़मीन के ऊपर मेरा चलना मुमकिन होता है। ज़मीन के ऊपर चलने-फिरने के लिए हमें एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है।"

(पृष्ठ 35-36)

प्रश्न–

(क) उपर्युक्त गद्यांशों में 'मैं' का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 'मैं' स्पेस-सूट पहनकर क्यों जाता था?
(ख) स्पेस सूट की क्या उपयोगिता है?
(ग) ज़मीन पर चलना कैसे संभव हो पाता है?

उत्तर–(क) उपर्युक्त गद्यांश में 'मैं' का प्रयोग छोटू के पापा के लिए हुआ है। छोटू के पापा विशेष प्रकार का स्पेस-सूट पहनकर जाते थे। इससे उन्हें ऑक्सीजन मिलती थी जिससे वे साँस लेते थे। यह स्पेस-सूट उन्हें बाहरी ठंड से भी बचाता था।

(ख) ज़मीन के ऊपर चलने के लिए स्पेस सूट आवश्यक है। उसके बिना ज़मीन पर नहीं चला जा सकता। स्पेस-सूट से ही सांस लेने के लिए ऑक्सीजन मिलती है। इससे वहाँ की ठंड से बचना संभव होता है। इस प्रकार स्पेस-सूट बहुत उपयोगी है।

(ग) बाहरी ज़मीन पर चलने के लिए विशेष प्रकार के जूतों की आवश्यकता होती थी। इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाती थी।

4 "एक समय था, जब अपने मंगल ग्रह पर सभी लोग ज़मीन के ऊपर ही रहते थे। बगैर किसी तरह के यंत्रों की मदद के, बगैर किसी खास किस्म की पोशाक के, हमारे पुरखे ज़मीन के ऊपर रहा करते थे लेकिन धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। कई तरह के जीव धरती पर रहा करते थे, एक के बाद एक सब मरने लगे। इस परिवर्तन की जड़ में था–सूरज में हुआ परिवर्तन। सूरज से हमें रोशनी मिलती है, ऊष्णता मिलती है। इन्हीं तत्त्वों से जीवों का पोषण होता है। सूरज में परिवर्तन होते ही यहाँ का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के बदले हुए रूप

का सामना करने में यहाँ के पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, अन्य जीव अक्षम साबित हुए। केवल हमारे पूर्वजों ने इस स्थिति का सामना किया।

(पृष्ठ 36)

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *मंगल ग्रह पर सब लोग कैसे रहते थे?*
   (क) ज़मीन पर
   (ख) सुरंग में
   (ग) धरती के नीचे
   (घ) विशेष प्रकार के यंत्रों में
2. *हमारे पूर्वज धरती पर कैसे रहते थे?*
   (क) बिना किसी यंत्रों के सहारे धरती पर
   (ख) यंत्रों के सहारे धरती पर
   (ग) स्पेस सूट पहन कर
   (घ) ऑक्सीजन के मास्क लगाकर
3. *धरती पर जीवन समाप्त होने का कारण क्या था?*
   (क) सूरज में हुआ परिवर्तन
   (ख) हवाओं में आया परिवर्तन
   (ग) पूरे ग्रहों में परिवर्तन के कारण
   (घ) लोगों की रुचि धरती पर न रहने के कारण
4. *सूरज में हुए परिवर्तन का क्या प्रभाव पड़ा?*
   (क) वातावरण में ऊष्णता समाप्त हो गई।
   (ख) वातावरण में रोशनी समाप्त हो गई।
   (ग) प्राकृतिक संतुलन बिगड़ना
   (घ) दिए गए सभी।
5. *प्राकृतिक असंतुलन का प्रभाव सबसे बुरा किस पर पड़ा?*
   (क) मनुष्य, पशु-पक्षी व पेड़-पौधों पर
   (ख) धरती के स्वरूप पर
   (ग) नदियों व पर्वतों पर
   (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (घ) 5. (क)

5 "अपने तकनीकी ज्ञान के आधार पर हमने ज़मीन के नीचे अपना घर बना लिया। ज़मीन के ऊपर लगे विभिन्न यंत्रों के सहारे हम सूर्य-शक्ति, सूरज की रोशनी और गर्मी का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। उन्हीं यंत्रों के सहारे हम यहाँ ज़मीन के नीचे जी रहे हैं। यंत्र सुचारु रूप से चलते रहें, इसके लिए बड़ी सतर्कता बरतनी पड़ती है। मुझ जैसे कुछ चुनिंदा लोग इन्हीं यंत्रों का ध्यान रखते हैं।" *(पृष्ठ 36)*

प्रश्न–

(क) ज़मीन के नीचे रहना कैसे संभव हुआ है?

(ख) ज़मीन के ऊपर लगे यंत्रों की क्या उपयोगिता है?

(ग) ज़मीन के नीचे रहने के लिए किस बात का विशेष ध्यान रखना पड़ता है? यह ध्यान कौन रखता है?

उत्तर–(क) तकनीकी ज्ञान के आधार पर ज़मीन के नीचे घर बना लिए गए हैं। ज़मीन के ऊपर अनेक प्रकार के यंत्र लगे हुए हैं। जिनके सहारे सूर्यशक्ति, रोशनी और गर्मी को प्राप्त किया जाता है। इसी के आधार पर ज़मीन के नीचे जीवन संभव हो पाया।

(ख) ज़मीन के ऊपर लगे यंत्रों से ही सूर्य की शक्ति और रोशनी का इस्तेमाल ज़मीन के नीचे रहने वाले लोग कर पाते हैं। ज़मीन के ऊपर लगे यंत्र ज़मीन के नीचे रहने वाले लोगों के जीवन का आधार हैं। उनके बिना ज़मीन के नीचे रहने वाले लोगों का जीवन संभव नहीं है।

(ग) ज़मीन के ऊपर विभिन्न प्रकार के यंत्र लगे हुए हैं। इन यंत्रों का सुचारु रूप से चलना जरूरी है नहीं तो ज़मीन के नीचे रहने वाले लोगों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। अतएव इन यंत्रों को सुचारु रूप से चलाते रहने के लिए विशेष सतर्कता बरतनी होती है। इन यंत्रों का कुछ विशेष लोग विशेष ध्यान रखते हैं।

(ङ) हमारे पास ऐसे यंत्र नहीं हैं जिनकी सहायता से अंतरिक्ष यान को बेकार कर ज़मीन पर उ
सकता किया जा सके।

(च) यदि अंतरिक्षयान स्वयं ज़मीन पर उतरते हैं तो हम उन्हें बेकार करने की क्षमता रखते

4. प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 41-42)

कहानी से

प्रश्न 1. **छोटू का परिवार कहाँ रहता था?**

उत्तर–छोटू का परिवार ज़मीन के नीचे बसी कालोनी में रहता था।

प्रश्न 2. **छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।**

उत्तर–सुरंग में कुछ विशेष लोगों को ही जाने की अनुमति प्राप्त थी। छोटू के पापा भी ऐसे व
थे जिन्हें इस सुरंग में जाने की अनुमति मिली हुई थी। वे इस सुरंग के रास्ते से ही काम पर जाया
एक सिक्योरिटी कार्ड मिला हुआ था जिसे खांचे में डालने से ही सुरंग में जाया जा सकता था। छोटू अ
इसीलिए उसे सुरंग में जाने की अनुमति नहीं थी।

प्रश्न 3. **कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?**

उत्तर–कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने कॉन्सोल पैनेल देखा। कॉन्सोल पर बटन दबाने की इच्छा
नहीं पाया। उसने लाल बटन दबा दिया। लाल बटन दबाते ही खतरे की घंटी सहसा बजने लगी। इससे
कॉन्सोल पर चली गई।

प्रश्न 4. **इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट**
इसे लिखो।

उत्तर–इस कहानी के अनुसार एक समय था जब मंगल ग्रह पर सभी लोग ज़मीन के ऊपर
लिए उन्हें किसी प्रकार के यंत्र की सहायता नहीं लेनी पड़ती थी। वे सामान्य जीवन जीते थे तथा आम
भाँति किसी विशेष प्रकार की वेश-भूषा के बिना ज़मीन पर रहा करते थे। धीरे-धीरे वहाँ के वातावर
आने लगा। इससे धरती पर रहने वाले कई प्रकार के जीव धीरे-धीरे एक के बाद एक मरने लगे। इ
कारण सूर्य में आया परिवर्तन था। सूर्य में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। इस बिगड़े संतु
वहाँ के पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और अन्य जीव नहीं कर पाए। इस कारण वहाँ का आम जीवन समाप
गया।

प्रश्न 5. **कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?**

उत्तर–अंतरिक्ष यान को नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने भेजा था।
नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा
चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से 'नासा'
भेजा था।

प्रश्न 6. **नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते**

उत्तर–नंबर एक सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार था। अतएव उसने कालोनी की सुरक्षा को ध्यान में
दिया कि दोनों अंतरिक्ष यानों को हम जलाकर ख़ाक कर सकते हैं, पर इससे हमें उनके बारे में कोई

4. प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 40-42)

कहानी से

प्रश्न 1. छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

उत्तर–छोटू का परिवार ज़मीन के नीचे बसी कालोनी में रहता था।

प्रश्न 2. छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर–सुरंग में कुछ विशेष लोगों को ही जाने की अनुमति प्राप्त थी। छोटू के पापा भी ऐसे व्यक्तियों में से थे जिन्हें इस सुरंग में जाने की अनुमति मिली हुई थी। वे इस सुरंग के रास्ते से ही काम पर जाया करते थे। उन्हें एक सिक्योरिटी कार्ड मिला हुआ था जिसे खांचे में डालने से ही सुरंग में जाया जा सकता था। छोटू अभी बच्चा था इसीलिए उसे सुरंग में जाने की अनुमति नहीं थी।

प्रश्न 3. कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर–कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने कॉन्सोल पैनेल देखा। कॉन्सोल पर बटन दबाने की इच्छा को वह रोक नहीं पाया। उसने लाल बटन दबा दिया। लाल बटन दबाते ही खतरे की घंटी सहसा बजने लगी। इससे सबकी नज़रें कॉन्सोल पर चली गईं।

प्रश्न 4. इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

उत्तर–इस कहानी के अनुसार एक समय था जब मंगल ग्रह पर सभी लोग ज़मीन के ऊपर रहते थे। इसके लिए उन्हें किसी प्रकार के यंत्र की सहायता नहीं लेनी पड़ती थी। वे सामान्य जीवन जीते थे तथा आम व्यक्तियों की भाँति किसी विशेष प्रकार की वेश-भूषा के बिना ज़मीन पर रहा करते थे। धीरे-धीरे वहाँ के वातावरण में परिवर्तन आने लगा। इससे धरती पर रहने वाले कई प्रकार के जीव धीरे-धीरे एक के बाद एक मरने लगे। इस परिवर्तन का कारण सूर्य में आया परिवर्तन था। सूर्य में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। इस बिगड़े संतुलन का सामना वहाँ के पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और अन्य जीव नहीं कर पाए। इस कारण वहाँ का आम जीवन समाप्त एवं नष्ट हो गया।

प्रश्न 5. कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?

उत्तर–अंतरिक्ष यान को नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने भेजा था।

नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा यह पता लगाना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से 'नासा' ने अंतरिक्ष यान भेजा था।

प्रश्न 6. नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते हैं और क्यों?

उत्तर–नंबर एक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। अतएव उसने कालोनी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुझाव दिया कि दोनों अंतरिक्ष यानों को हम जलाकर ख़ाक कर सकते हैं, पर इससे हमें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। अंतरिक्ष यानों को बेकार कर ज़मीन पर उतरने के लिए मज़बूर करने वाले यंत्र हमारे पास नहीं हैं। यदि ये अंतरिक्ष यान स्वयं ज़मीन पर उतरते हैं तो उन्हें बेकार करने के यंत्र हमारे पास हैं।

नंबर दो वैज्ञानिक थे। उन्होंने उन यानों को बेकार न करने का सुझाव दिया। उनका विचार था कि उन्हें बेकार कर देने से दूसरे ग्रह के लोग हमारे बारे में जान जाएँगे। जिन लोगों ने ये अंतरिक्ष यान भेजे हैं, वे भविष्य में इनसे भी बढ़िया अंतरिक्ष यान यहाँ भेजेंगे। इसलिए हमें इनका अवलोकन करते रहना चाहिए। हमें जहाँ तक हो सके, अपने अस्तित्व को छिपाए रखना चाहिए। नंबर दो ने अध्यक्ष महोदय से प्रार्थना की कि हमारे यहाँ ऐसा प्रबंध किया जाए जिससे अन्य ग्रहवालों को यह लगे कि ज़मीन पर कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिससे उन्हें लाभ हो।

नंबर तीन अध्यक्ष थे और उनका दायित्व सामाजिक व्यवस्था की देखभाल करना था। नंबर तीन कुछ बोलने ही वाले थे कि फोन से उन्हें सूचना मिली कि अंतरिक्ष क्रमांक एक ज़मीन पर उतर चुका है।